# नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

## एम०ए० हिन्दी

## पार्ट-I, पत्र-I

## (हिन्दी साहित्य का इतिहास)

***वार्षिक परीक्षा, 2015***

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक : 80**

*किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. साहित्येतिहास के प्रयोजनों पर प्रकाश डालिए ।
2. हिन्दी में साहित्य के इतिहास–लेखन की परम्परा पर एक लेख लिखिए ।
3. आदिकाल की प्राप्त सामग्री के आलोक में 'आदिकाल' नामकरण की समीक्षा कीजिए ।
4. भक्ति–आन्दोलन की विभिन्न धाराओं का परिचय देते हुए उन धाराओं के प्रमुख कवियों को रेखांकित कीजिए ।
5. संत काव्य की दार्शनिकता को रेखांकित कीजिए ।
6. 'सगुण धारा भक्ति की प्रमुख और महत्त्वपूर्ण धारा थी'– इस कथन की सत्यासत्यता का निरीक्षण कीजिए ।
7. कृष्ण–भक्ति शाखा की काव्य–प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए ।
8. 'रीति' का विश्लेषण करते हुए रीतिकाल के नामकरण का औचित्य सिद्ध कीजिए ।
9. रीतिकाल की प्रमुख धाराओं का परिचय दीजिए ।
10. किन्हीं दो का परिचय दीजिए :–
    (क) रासो काव्य
    (ख) तुलसी की समन्वयभावना
    (ग) वैष्णव सम्प्रदाय
    (घ) रीतिबद्ध काव्य

• • •

***Examination Programme, 2015***

**M.A. Hindi, Part-I**

| ***Date*** | ***Papers*** | ***Time*** | ***Examination Centre*** |
|---|---|---|---|
| 20.04.2015 | Paper–I | 12.00 Noon to 3.00 PM | Nalanda Open University, Patna |
| 22.04.2015 | Paper–II | 12.00 Noon to 3.00 PM | Nalanda Open University, Patna |
| 24.04.2015 | Paper–III | 12.00 Noon to 3.00 PM | Nalanda Open University, Patna |
| 28.04.2015 | Paper–IV | 12.00 Noon to 3.00 PM | Nalanda Open University, Patna |
| 30.04.2015 | Paper–V | 12.00 Noon to 3.00 PM | Nalanda Open University, Patna |
| 02.05.2015 | Paper–VI | 12.00 Noon to 3.00 PM | Nalanda Open University, Patna |
| 04.05.2015 | Paper–VII | 12.00 Noon to 3.00 PM | Nalanda Open University, Patna |
| 06.05.2015 | Paper–VIII | 12.00 Noon to 3.00 PM | Nalanda Open University, Patna |

# नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

## एम०ए० हिन्दी

## पार्ट-I, पत्र-II

## (प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

***वार्षिक परीक्षा, 2015***

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक : 80**

*किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, जिसमें प्रश्न संख्या 10 अनिवार्य है ।*
*सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. विद्यापति के काव्य के भावपक्ष पर विहंगम दृष्टि डालिए ।

2. कबीर समाज सुधारक थे या भक्त ? अपने विचार उदाहरण सहित प्रस्तुत कीजिए ।

3. 'पद्मावत' के महाकाव्यत्व पर विचार डालिए ।

4. 'सूर वात्सल्य रस का कोना–कोना झाँक आए हैं ।' आचार्य शुक्ल की इस उक्ति की समीक्षा कीजिए ।

5. 'विनयपत्रिका' के आधार पर तुलसी की भक्ति–भावना का विवेचन कीजिए ।

6. बिहारी की भाषागत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

7. 'प्रेम की पीर' के कवि घनानंद की प्रेम व्यंजना पर प्रकाश डालिए ।

8. पठित पदो ंके आधार पर सिद्ध कीजिए कि भूषण राष्ट्रीय कवि हैं अथवा जातीय ।

9. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :–
   (क) पुष्टि मार्ग (ख) कवितावली
   (ग) सूरदास की भक्ति (घ) भक्ति काल

10. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :–
    (क) बिरह भुवंगम तन बसै मंत्र न लागै कोइ ।
    राम बियोगी न जिवै जिवै तौ बौरा होइ ।।
    (ख) इन्द्र जिमि जम्भ पर बाड़व सुअंब पर
    रावन सदम्भ, पर रघुकुल राज है ।
    .....
    तेज तम अंस पर कान्ह जिमि कंस पर
    त्यों म्लेच्छ बंस पर सेर सिवराज है ।

• • •

# नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

## एम०ए० हिन्दी

## पार्ट-I, पत्र-III

(हिन्दी कथा–साहित्य)

***वार्षिक परीक्षा, 2015***

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 80

*प्रत्येक खण्ड से कम से कम दो–दो प्रश्नों का चयन करते हुये कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*
*सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

### *खण्ड–क*

1. उपन्यास शब्द के अर्थ एवं स्वरूप पर प्रकाश डालिए ।
2. 'गोदान भारतीय जीवन का महाकाव्य है ।' इस कथन की समीक्षा कीजिए ।
3. 'सुनीता' में प्रतिपादित जैनेन्द्र के जीवन–दर्शन का विवेचन कीजिए ।
4. 'बाणभट्ट की आत्मकथा' उपन्यास की समीक्षा कीजिए ।
5. 'मैला आँचल' में चित्रित राजनीतिक–सामाजिक स्थितियों पर प्रकाश डालिए ।

### *खण्ड–ख*

6. 'कफन' कहानी को प्रेमचन्द की सर्वश्रेष्ठ कहानी कहना कहाँ तक उचित है ? युक्तियुक्त उत्तर दीजिए ।
7. 'आकाशदीप' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।
8. जैनेन्द्र के प्रेम–सम्बन्धी विचारों पर प्रकाश डालिए ।
9. 'शरणागत' कहानी के वस्तुविन्यास का वैशिष्ट्य बताइये ।
10. 'हीरामन सचमुच हीरा है' इस कथन की परीक्षा कीजिए ।

• • •

# नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

## एम०ए० हिन्दी

## पार्ट-I, पत्र-IV

(भाषा विज्ञान)

***वार्षिक परीक्षा, 2015***

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक : 80**

*किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. भाषा–विज्ञान का ज्ञान–विज्ञान की अन्य शाखाओं से सम्बन्ध रेखांकित कीजिए ।
2. भाषा तत्वों के आलोक में भाषा के स्वरूप का रेखांकन प्रस्तुत कीजिए ।
3. भाषा के विकास पर संक्षिप्त लेख लिखिए ।
4. ध्वनि परिवर्तन की दिशाओं का संकेत कीजिए ।
5. शब्द वर्गीकरण के आधारों पर प्रकाश डालिए तथा शब्द निर्माण की दिशाओं का उल्लेख कीजिए ।
6. सम्बन्ध तत्व के प्रकार एवं उसके कार्यों को रेखांकित कीजिए ।
7. अर्थ–विज्ञान का तात्विक बोध स्पष्ट कीजिए ।
8. भाषा का मनस्तात्त्विक संदर्भ रेखांकित कीजिए ।
9. भारतीय भाषा चिन्तन पर एक सुचिंतित निबन्ध लिखिए ।
10. कोश निर्माण की सैद्धान्तिक प्रक्रिया को रेखांकित कीजिए ।

• • •

# नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

## एम०ए० हिन्दी

## पार्ट-I, पत्र-V

## (भारतीय काव्य शास्त्र)

***वार्षिक परीक्षा, 2015***

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक : 80**

*किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. काव्य के विविध हेतुओं पर विचार करते हुए उसके मुख्य हेतु के सम्बन्ध में अपना मंतव्य स्थापित कीजिए ।
2. काव्यात्मा सम्बन्धी विचार करने वाले सम्प्रदायों का परिचय दीजिए ।
3. रस से आप क्या समझते हैं ? भरतमुनि के रस–सूत्र की विभिन्न व्याख्याओं पर प्रकाश डालिए ।
4. रस–निष्पत्ति के संदर्भ में अभिनवगुप्त के अभिव्यक्तिवाद की समीक्षा कीजिए ।
5. क्या रस का स्वरूप आनन्दमय है ? यदि हाँ तो कैसे ? पक्ष अथवा विपक्ष में अपना तर्क दीजिए ।
6. अलंकार और अलकार्य में भेद बतलाते हुए अलंकारों के वर्गीकरण पर विचार कीजिए ।
7. काव्य के सौन्दर्यवर्धक तत्त्वों में रीति का स्थान निरूपित कीजिए ।
8. वक्रोक्ति का शास्त्रीय अर्थ निरूपित करते हुए उसके भेदों की चर्चा कीजिए ।
9. काव्य ध्वनि की परिभाषा देते हुए उसके स्वरूप का विश्लेषण कीजिए ।
10. टिप्पणी लिखिए :–
    (क) सहृदय और रसास्वाद
    (ख) अनुभाव
    (ग) रीति के भेद
    (घ) औचित्य के प्रमुख भेदः

• • •

# नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

## एम०ए० हिन्दी

## पार्ट-I, पत्र-VI

(हिन्दी से इतर भारतीय साहित्य)

***वार्षिक परीक्षा, 2015***

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक : 80**

*किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. वैदिक साहित्य का परिचय दीजिए ।
2. संस्कृत के संदेशकाव्यों की मार्मिकता का विवेचन कीजिए ।
3. संस्कृत के नाटक–साहित्य का परिचय दीजिए ।
4. संस्कृत के साहित्य–शास्त्र पर एक लेख लिखिए ।
5. मलयालम की कहानियों का इतिहास लिखिए ।
6. कन्नड़ साहित्य के वीर शैव युग के काव्य का परिचय दीजिए ।
7. गुजराती साहित्य के भक्तियुग की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।
8. बंगला के प्रेमाख्यान काव्यों का परिचय दीजिए ।
9. उर्दू भाषा के कहानी–साहित्य का परिचय दीजिए ।
10. तमिल साहित्य के 'इरुण्ड कालम' अर्थात् अंधकार युग पर प्रकाश डालिए ।

• • •

# नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

## एम०ए० हिन्दी

## पार्ट-I, पत्र-VII

(प्रयोजनमूलक हिन्दी)

***वार्षिक परीक्षा–2015***

**समय : 3 घण्टा** **पूर्णांक : 80**

*किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी का क्या तात्पर्य है ? उसके विकास पर प्रकाश डालिए ।
2. अनुवाद के विभिन्न प्रकारों पर प्रकाश डालिए ।
3. अनुवाद करते समय किन–किन बिन्दुओं पर विशेष ध्यान देना होता है ।
4. पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की दिशा में किए गये कार्यों का उल्लेख कीजिए ।
5. निम्नलिखित शब्दों के लिए हिन्दी पर्याय दीजिए :–

| | |
|---|---|
| (i) Chief Secretary | (ii) Section Officer |
| (iii) Magistrate | (iv) Justice |
| (v) Junior Engineer | (vi) Director |
| (vii) Inspector General of Police | (viii) Guard |
| (ix) Observer | (x) Affidavit |
| (xi) Adjourn | (xii) Accused |
| (xiii) Blue Print | (xiv) Economy |
| (xv) Forgery | (xvi) Expel. |

6. संक्षेपण क्रिया में अपनाई जाने वाली विधियों का उल्लेख कीजिए ।
7. पल्लवन और व्याख्या में अन्तर स्पष्ट करते हुए पल्लवन के मुख्य सिद्धान्तों का उल्लेख कीजिए ।
8. आवेदन किसे कहते हैं ? आवेदन लिखते समय किन बिन्दुओं पर ध्यान रखना आवश्यक है ?
9. विज्ञापन और विज्ञापन–लेखन विधि पर प्रकाश डालिए ।
10. 'प्रामुद्र संशोधन' से आप क्या समझते हैं ? इसकी आवश्यकता एवं उपयोगिता पर प्रकाश डालिए ।

• • •

# नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

## एम०ए० हिन्दी

## पार्ट-I, पत्र-VIII

(हिन्दी आलोचक एवं आलोचना)

***वार्षिक परीक्षा, 2015***

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक : 80**

*किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. हिन्दी साहित्य आलोचना को आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का अवदान विषय पर एक लेख लिखिए ।
2. इतिहास और आलोचना के संदर्भ में आचार्य शुक्ल की दृष्टि का विश्लेषण कीजिए ।
3. पंडित नंददुलारे बाजपेयी की समन्वयात्मक समीक्षा–दृष्टि पर विचार कीजिए ।
4. शुक्लोत्तर समीक्षा की दिशाओं पर प्रकाश डालिए ।
5. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि व्यापक एवं स्वतंत्र है–स्पष्ट कीजिए ।
6. आलोचक गुलाबराय की समीक्षा–पद्धति का मूल्यांकन कीजिए ।
7. डॉ० नगेन्द्र की आलोचना पद्धति के विधायक तत्त्वों को रेखांकित कीजिए ।
8. काव्यशास्त्र की आधारभूत मान्यता और पं० विश्वनथ प्रसाद मिश्र की समीक्षा दृष्टि पर प्रकाश डालिए ।
9. 'नई समीक्षा दृष्टि में डॉ० राम विलास शर्मा उदार नहीं हैं ।' कथन की समीक्षा कीजिए ।
10. डॉ० नामवर सिंह की आलोचना पद्धति पर विचार कीजिए ।

• • •

# नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

## एम०ए० हिन्दी, पार्ट-II

### पत्र-IX

(भारतेन्दु एवं द्विवेदी युग)

*वार्षिक परीक्षा, 2015*

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 80

*प्रत्येक खण्ड से कम से कम दो–दो प्रश्नों का चयन करते हुये कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*
*सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

### *खण्ड–क*

1. भारतेन्दु युग की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए ।
2. हिन्दी गद्य के विकास में भारतेन्दु की भूमिका पर विचार कीजिए ।
3. भारतेन्दु युग के किन्हीं दो गद्यकारों का परिचय दीजिए ।
4. भारतेन्दुयुगीन कथा साहित्य की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।
5. भारतेन्दु युग के साहित्य में अभिव्यक्ति सामाजिक–राजनैतिक स्थितियों का उल्लेख कीजिए ।

### *खण्ड–ख*

6. 'द्विवेदीयुगीन काव्य आदर्शवादी और नीतिपरक है'– इस कथन की समीक्षा कीजिए ।
7. मैथिलीशरण गुप्त के साहित्यिक अवदान का परिचय दीजिए ।
8. महावीरप्रसाद द्विवेदी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए ।
9. द्विवेदी युग की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए ।
10. सरदार पूर्ण सिंह का परिचय दीजिए ।

• • •

***Examination Programme, 2015***

**M.A. Hindi, Part–II**

| Date | Papers | Time | Examination Centre |
|---|---|---|---|
| 05.06.2015 | Paper-IX | 12.00 Noon to 3.00 PM | Nalanda Open University, Patna |
| 09.06.2015 | Paper-X | 12.00 Noon to 3.00 PM | Nalanda Open University, Patna |
| 11.06.2015 | Paper-XI | 12.00 Noon to 3.00 PM | Nalanda Open University, Patna |
| 13.06.2015 | Paper-XII | 12.00 Noon to 3.00 PM | Nalanda Open University, Patna |
| 15.06.2015 | Paper-XIII | 12.00 Noon to 3.00 PM | Nalanda Open University, Patna |
| 17.06.2015 | Paper-XIV | 12.00 Noon to 3.00 PM | Nalanda Open University, Patna |
| 19.06.2015 | Paper-XV | 12.00 Noon to 3.00 PM | Nalanda Open University, Patna |
| 23.06.2015 | Paper-XVI | 12.00 Noon to 3.00 PM | Nalanda Open University, Patna |

# नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

## एम०ए० हिन्दी

## पार्ट-II, पत्र-X

(आधुनिक काल – छायावाद से प्रगतिवाद)

***वार्षिक परीक्षा, 2015***

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक : 80**

*किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. छायावाद की परिभाषा देते हुए उसकी काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।
2. छायावाद–युगीन काव्य में राष्ट्रीय–सांस्कृतिक धारा को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
3. सुमित्रानन्दन पंत के काव्य–विकास पर प्रकाश डालिए ।
4. उत्तर छायावाद की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए ।
5. प्रगतिवाद से आप क्या समझते हैं ? प्रगतिवाद काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए ।
6. प्रसाद की नाट्यकला पर एक लेख लिखिए ।
7. प्रसादोत्तर हिन्दी नाट्य साहित्य पर प्रकाश डालिए ।
8. हिन्दी के यथार्थवादी उपन्यासकारों का परिचय दीजिए ।
9. हिन्दी कहानी के इतिहास में प्रेमचंद का स्थान निर्धारित कीजिए ।
10. शिवपूजन सहाय के निबन्धों की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

• • •

# नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

## एम०ए० हिन्दी

## पार्ट-II, पत्र-XI

(प्रयोगवाद और समकालीन साहित्य)

***वार्षिक परीक्षा, 2015***

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 80

*किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. प्रयोगवाद के उद्‌भव की परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए ।
2. प्रपद्यवाद क्या है ? उसे नकेनवाद की संज्ञा क्यों दी गई ।
3. नई कविता का सामान्य परिचय दीजिए ।
4. प्रसादोत्तर हिन्दी नाटक साहित्य के विकास पर प्रकाश डालिए ।
5. प्रेमचन्दोत्तर हिन्दी उपन्यास साहित्य का परिचय दीजिए ।
6. साठोत्तरी हिन्दी कहानी के विकास क्रम को रेखांकित कीजिए ।
7. हिन्दी निबन्ध के विकास की एक संक्षिप्त रूप रेखा प्रस्तुत कीजिए ।
8. शुक्लजी के बाद के प्रमुख हिन्दी आलोचकों का परिचय दीजिए ।
9. संस्मरण और रेखाचित्र में अन्तर दिखाते हुए प्रमुख संस्मरण ग्रंथों पर प्रकाश डालिए ।
10. टिप्पणी लिखिए :–
    (क) तारसप्तक
    (ख) महिला कथाकार

• • •

# नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

## एम०ए० हिन्दी

## पार्ट-II, पत्र-XII

(नाटक और रंगमंच)

***वार्षिक परीक्षा, 2015***

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक : 80**

*किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. नाटक के तत्त्वों पर प्रकाश डालिए ।
2. अभिनेयता और रंगमंच की दृष्टि से "चन्द्रावली" नाटिका की समीक्षा कीजिए ।
3. "स्कन्दगुप्त" नाटक की ऐतिहासिकता पर विचार कीजिए ।
4. "स्कन्दगुप्त" नाटक की संवाद योजना पर प्रकाश डालिए ।
5. देवसेना का चरित्र–चित्रण कीजिए ।
6. 'संवेदना एवं काव्य' की दृष्टि से 'अषाढ़ का एक दिन' नाटक पर विचार कीजिए ।
7. रंगमंच की दृष्टि से आषाढ़ का एक दिन पर विचार कीजिए ।
8. मल्लिका के चरित्र की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।
9. नाटककार सर्वेश्वर दयाल सक्सेना का परिचय दीजिए ।
10. "बकरी" नाटक में समसामयिक सामाजिक, राजनीतिक व्यंग्य का तीखापन है – स्पष्ट कीजिए ।

• • •

# नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

## एम०ए० हिन्दी

## पार्ट-II, पत्र-XIII

(आधुनिक कथा साहित्य)

***वार्षिक परीक्षा, 2015***

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 80

*प्रत्येक खंड से कम से कम दो–दो प्रश्नों का चयन करते हुए कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*
*सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

### *खण्ड–क*

1. "रागदबारी" की भाषा शैली का मूल्यांकन कीजिए ।
2. वैद्यजी का चरित्र–चित्रण कीजिए ।
3. "महाभोज" उपन्यास की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।
4. "महाभोज" में प्रस्तुत व्यंग्य का औचित्य स्पष्ट कीजिए ।
5. उपन्यास कला की दृष्टि से "नीला चाँद" की समीक्षा कीजए ।

### *खण्ड–ख*

6. कहानी कला की दृष्टि से "वापसी" कहानी का मूल्यांकन कीजिए ।
7. "ये बीमार लोग" के उद्‌देश्य पर विचार करते हुए शीर्षक की सार्थकता पर अपना विचार लिखिए ।
8. राजेन्द्र यादव के साहित्यक अवदान का परिचय देते हुए "जहाँ लक्ष्मी कैद है" कहानी की विषय वस्तु पर प्रकाश डालिए ।
9. "गुलकी बन्नो" कहानी के कथोपकथन एवं भाषा–शैली की विशेषताएँ बताइए ।
10. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :–
    (क) जी हाँ, उसी की बदौलत तो यह सारा खेल है, वही तो इस भंडारे की चाबी है ।
    (ख) पर कभी उसने जबान लड़ाई तो खैर नहीं। हमारा हाथ बड़ा जालिम है ।

• • •

# नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

## एम०ए० हिन्दी

## पार्ट-II, पत्र-XIV

## (आधुनिक कथा साहित्य)

***वार्षिक परीक्षा, 2015***

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक : 80**

*किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. ललित निबन्ध के शिल्पगत वैशिष्ट्य का परिचय दीजिए ।
2. ललित निबन्ध की दृष्टि से कुबेरनाथ राय के 'निर्वासन और नीलकंठी प्रिया' निबन्ध की समीक्षा कीजिए ।
3. गद्य काव्य की परम्परा एवं प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए ।
4. पठित गद्यकाव्यों–प्रार्थना, श्रद्धाकण तथा अन्तर्नाद के आधार पर गद्यकाव्यकार वियोगी हरि की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।
5. यात्रा वृतान्त से आप क्या समझते हैं ? यात्रा–वृतांत की रचना के मूल तत्त्वों का परिचय दीजिए ।
6. 'मक्खन पनीर का देश' यात्रा वृतान्त के कथ्य पर प्रकाश डालिए ।
7. रेखाचित्र कहानी, संस्मरण तथा जीवनी में निकटता एवं अन्तर का विवरण दीजिए ।
8. 'जंजीरें और दीवारें' रेखाचित्र की समीक्षा कीजिए ।
9. लघुकथा साहित्य के विकास पर एक संक्षिप्त लेख लिखिए ।
10. पठित किसी एक लघुकथा की समीक्षा कीजिए ।

• • •

# नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

## एम०ए० हिन्दी

## पार्ट-II, पत्र-XV

(पाश्चात्य आलोचना एवं शैली विज्ञान)

***वार्षिक परीक्षा, 2015***

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 80

*किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. 'कला अनुकरण का अनुकरण है' प्लेटो के इस कथन के औचित्य पर विचार कीजिए ।
2. अरस्तू द्वारा प्रतिपादित त्रासदी के स्वरूप को अपनी भाषा में व्यक्त कीजिए ।
3. अरस्तू के महाकाव्य सम्बन्धी विचारों का विवेचन कीजिए ।
4. लोंजाइनस के उदान्त सम्बन्धी विचारों की समीक्षा कीजिए ।
5. आई०ए० रिचर्ड्स के सम्प्रेषण सिद्धान्त का विश्लेषण कीजिए ।
6. रिचर्डस की कविता सम्बन्धी उपपत्तियों की समीक्षात्मक विवेचना प्रस्तुत कीजिए ।
7. काव्य–शैली एवं काव्य व्यवस्था के तहत इलियट के वस्तुगत समीकरण के औचित्य पर विचार कीजिए ।
8. इलियट के परम्परा–बोध के संदर्भ में परम्परा का अर्थ स्पष्ट करते हुए काव्यालोचन में उसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए ।
9. मनोविश्लेषण की अवधारणा स्पष्ट करते हुए उसकी प्रमुख स्थापन का उल्लेख कीजिए ।
10. शैली विज्ञान के क्षेत्र का विवेचन कीजिए ।

• • •

# नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

## एम०ए० हिन्दी

## पार्ट-II, पत्र-XVI

(हिन्दी भाषा की संरचना)

***वार्षिक परीक्षा, 2015***

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक : 80**

*किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. भारोपीय भाषा परिवार पर एक निबन्ध लिखिए ।
2. वैदिक संस्कृत और लौकिक संस्कृत का अंतर स्पष्ट कीजिए ।
3. हिन्दी शब्द की उत्पत्ति पर प्रकाश डालिए ।
4. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :–
   (क) हिन्दी में अ–लोप
   (ख) महाप्राण ध्वनियाँ
   (ग) अर्थ संगति
   (घ) समरूपी शब्द
5. शब्द और पद के अन्तर को स्पष्ट कीजिए ।
6. सम्बन्ध तत्त्व के प्रकारों पर प्रकाश डालिए ।
7. वाक्य और प्रोक्ति का अंतर स्पष्ट कीजिए ।
8. वाक्य के स्वरूप की विवेचना कीजिए ।
9. भाषा एवं लिपि का सम्बन्ध स्पष्ट कीजिए ।
10. देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता पर विचार कीजिए ।

• • •